Patrika, 04th May 2022, Page – 02

केंद्रीय मंत्री प्रधान ने किया आइआइटी इंदौर का निरीक्षण, कहा

'आइआइटी को बाल वाटिका से उच्च शिक्षा तक एकीकृत शिक्षा मंदिर स्थापित करना चाहिए'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. दो दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को आइआइटी इंदौर का दौरा किया। शुरुआत में केंद्रीय विद्यालय, आइआइटी के छात्रों से मुलाकात की। छात्रों ने अपनी प्रतिभा, योग्यता मंत्री को बताया।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं ऊर्जा से भरे इन छोटे बच्चों के साथ अपने दिन की शुरुआत करने के लिए खुश हूं। बालव ाटिका से लेकर उच्च शिक्षा तक, आइआइटी इंदौर को एक बेंचमार्क एकीकृत शिक्षा मंदिर स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए। संस्थान की प्रगति की सराहना की। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया।

इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन: केंद्रीय मंत्री ने आइआइटी के इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। यह 4,257 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बना हुआ है, जिसमें 06 बैडमिंटन कोर्ट, 02 बास्केटबॉल कोर्ट, 580 की क्षमता वाली इंडोर गैलरी, जिम, 03 स्क्वैश कोर्ट और 288 क्षमता की व्यूइंग गैलरी के साथ ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल हैं।

लक्ष्यों के बारे में बताया: केंद्रीय मंत्री प्रधान ने संस्थान के अध्यक्ष, डीन और रजिस्ट्रार के साथ उपलब्धियों, दृष्टि दस्तावेज, योजनाओं और बाधाओं पर विस्तृत चर्चा की। संस्थान द्वारा इस मौके पर मंत्री के सामने मौलिक और वैज्ञानिक अनुसंधान की अपनी मूल शक्ति का प्रदर्शन किया गया। उन्हें संस्थान द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के बारे में बताया गया, जिसमें शीर्ष एनआइआरएफ रैंकिंग को पहले 10 में लाना है। विचार-विमर्श में छात्रों के सीखने के अनुभव को बढ़ाने की योजनाओं के तहत आइआइटी इंदौर के टिंकरर्स लैब और मेकर्स स्पेस की स्थापना, जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उल्लेख किया गया है। प्रधान को पिरामिड के निचले हिस्से में लोगों के सामने आने वाली कठिनाइयों का समाधान प्रदान करने के लिए उन्नत तकनीकों को अपनाने के लिए सामाजिक संपर्क कार्यक्रमों के बारे में भी बताया गया। संस्थान ने एक ट्रांसलेशनल रिसर्च इकोसिस्टम स्थापित करके अनुसंधान के प्रौद्योगिकी तैयारी स्तर में सुधार की दिशा में अपनी योजना को दर्शाया।